श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 22 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 फरवरी 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

उज्जैन नगरी में प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न
पुण्य-सम्राट के पट्टधरों का भव्य मंगल प्रवेश

उज्जैन (स. सं),

प. पू. राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से विस्तुतिक जैन संघ, नयापुरा, उज्जैन द्वारा निर्मित श्री श्रेयांसनाथ स्वामी जिनालय का भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रखर समाज शिल्पी आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में दिनांक 5 फरवरी 2018 को विविध धार्मिक अनुष्ठानों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रतिष्ठा महोत्सव में जिनालय पर ध्वजा-कलश और परमात्मा को बिराजमान एवं गुरु भगवन्तों को बिराजमान करने का लाभ बहुत उत्साह एवं उमंग से लोगों ने लिया। आचार्यद्वय की निश्रा में सभी लाभ उज्जैन के नयापुरा में अविस्मरणीय हुए। इस प्रसंग पर उज्जैन के हजारों गुरुभक्तों सहित अनेक नगरों के श्रीसंघ एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आचार्यद्वय और ऊर्जामन्त्री

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के परम गुरुभक्त, सुश्रावक और मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन ने जिनालय में श्री पार्श्वनाथ भगवान के बिराजमान करने का लाभ लिया और सभी अनुष्ठानों में उपस्थित रहकर गुरुभक्ति का परिचय दिया।

महोत्सव में परिषद् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशभाई धरू, तरुण परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री करण मोरखिया आदि परिषद् परिवार के पदाधिकारी एवं भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार के जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिनांक 6 फरवरी 2018 को प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के द्वय पट्टधरों का उज्जैन ज्ञान मन्दिर, नमकमण्डी में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश भव्यातिभव्य शोभायात्रा के

आचार्यद्वय का भव्य मंगल प्रवेश

शोभायात्रा में महिला मण्डल

साथ हुआ। वी. डी. मार्केट से प्रारम्भ हुई शोभायात्रा 4 घण्टे लगातार नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी जिसमें नवयुवक एवं तरुण परिषद् साथी गुरुदेव की नृत्य द्वारा अगवानी करते हुए चल रहे थे, वहीं विभिन्न महिला एवं बहू मण्डल विशिष्ट परिधानों में विभिन्न समूहों में नृत्य एवं भक्ति के साथ शोभायात्रा की शोभा में चार चाँद लगा रहे थे। शोभायात्रा की विशेषता यह थी कि आचार्यद्वय शोभायात्रा मार्ग पर आने वाले श्रीसंघ सदस्यों के घरों एवं प्रतिष्ठानों पर गुरुभक्तों की विनती स्वीकार कर आशीष प्रदान कर रहे थे।

नवकारसी का लाभ श्री सरदारमलजी समस्थमलजी कोठारी परिवार ने लिया। शोभायात्रा खाराकुआ स्थित उपाश्रय एवं श्री ऋषभदेव मन्दिर दर्शन-वन्दन करती हुई ज्ञान मन्दिर, नमकमण्डी पर सम्पन्न हुई। प्रवेश उपरान्त रंगमहल धर्मशाला में धर्मसभा का आयोजन हुआ। जिसकी शुरूआत ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन, राजमलजी रूणवाल, माणकलालजी गिरिया, प्रतापजी मेहता, अनिलजी रूणवाल एवं परिषद् अध्यक्ष नितेशजी नाहटा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। नरेन्द्रजी तलेसरा एवं राकेशजी बनवट द्वारा सामूहिक गुरुवन्दन कराया गया। बहू परिषद् सदस्यों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, स्वागत उद्बोधन श्रीसंघ अध्यक्ष मनीषजी कोठारी ने दिया।

धर्मसभा में सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने उज्जैन की महिमा बताते हुए कहा कि पुण्य-सम्राट के सपने उज्जैन में अधूरे नहीं रहेंगे, क्योंकि उज्जैन वालों का प्रेम, सद्भाव, विचार, आस्था समृद्ध एवं मजबूत है। गुरुदेव ने भी शोध संस्थान द्वारा यहाँ एक नई शुरूआत की थी क्योंकि उनके दिल में उज्जैन के लिए विशेष जगह थी। अपनी निराली शैली में कहा कि इस नमकमण्डी में नमक या मिर्ची नहीं बल्कि शक्कर की मिठास होनी चाहिये। धर्म के प्रति दान चुन-चुन कर बचा हुआ नहीं बल्कि गुरुदेवश्री का दिया हुआ समझकर खुले मन से करना चाहिये तथा समाज का जो सदस्य दान नहीं कर सकता है उसके नाम से सम्पन्न परिवार को दान करना चाहिये। आपने कहा कि सभी समझते हैं कि गुरुदेवश्री ने दो आचार्य की घोषणा की थी, पर आप समझ लें कि हम दो नहीं दोनों एक ही हैं।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने दान की महिमा बताते हुए कहा कि आपके पास जितना है उतना आप किसी को दे नहीं सकते है, लेकिन तीर्थंकर ऐसा नहीं सोचते उन्हें मोक्ष का जो सुख मिला है वह उसे सभी को देना चाहते हैं। हर शुभ कार्य की शुरूआत स्वयं से होनी चाहिये, हम सुधरेंगे तो सभी सुधर जायेंगे। जिस प्रकार नमक बिना भोजन में आनन्द नहीं आता उसी प्रकार नमकमण्डी का अपना महत्व है। गुरुदेव का अभाव भी आज हमें दिख रहा है, वे हमेशा संघ के संगठन को देख कर प्रसन्न होते थे। उनका एक-एक दिन समाज की महिमा बढ़ाने में बीता है। हमें भव्य घर बनवाने में फायदा नहीं होगा लेकिन अगर हम आराधना भवन में दान देते हैं तो आराधना भवन में होने वाली आराधनाओं का पुण्य हमारे परिवार को होगा। धर्मसभा में अवन्ती पार्श्वनाथ तीर्थ की प्रतिष्ठा में दोनों आचार्यों को निश्रा प्रदान करने की विनती की गई।

पुण्य-सम्राट के पट्टधर आचार्यद्वय की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा पर धर्मगंगा की वैतरणी प्रहवमान भव्य मंगल प्रवेश एवं अद्वितीय शासन प्रभावना

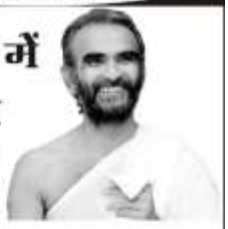

माण्डवपुर (स. सं.),

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्तों की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा पर नगर-नगर में भव्य मंगल प्रवेश एवं जिनशासन के अद्वितीय कार्य सम्पन्न।

पुण्य-सम्राट की 10वीं मासिक पुण्यतिथि पर भूमिपूजन

उज्जैन,

नमकमण्डी उज्जैन में पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के नाम पर भव्य जयन्तसेन आराधना भवन का निर्माण होगा जिसका भूमि पूजन गुरुदेव के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सान्निध्य में श्री चान्दमलजी प्रतापजी मेहता परिवार द्वारा किया गया।

भूमि पूजन के पश्चात् गुरु भगवन्तों का अरविन्द नगर में भव्य शोभायात्रा के साथ प्रवेश हुआ। शोभायात्रा में विभिन्न स्थानों पर गहुँली कर आचार्यद्वय को बधाया गया। शोभायात्रा श्रीसंघ अध्यक्ष श्री मनीषजी कोठारी के अरविन्द नगर स्थित नवीन गृहांगन पहुँचा जहाँ धर्मसभा में पुण्य-सम्राट की 10वीं मासिक पुण्यतिथि पर गुरु-गुण-स्मरण किया गया। गुणानुवाद सभा में स्वागत गीत सीमा कोठारी ने प्रस्तुत किया। ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन ने अपने उद्बोधन में दोनों आचार्य भगवन्तों को उज्जैन चातुर्मास करने की विनती करते हुए कहा कि यह पुण्य-सम्राट का भी सपना था, वे आज शरीर से नहीं परन्तु पूर्ण रूपेण मन से हमारे साथ है।

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने अपने प्रवचन में पुण्य-सम्राट का स्मरण करते हुए कहा कि माँ के बिना बेटे का और गुरु के बिना हमारा जीवन अधूरा है। मेरा तो पूरा जीवन उनकी सेवा में गुजरा किन्तु पिछले 10 महीने कैसे गुजरे मैं उसका वर्णन नहीं कर सकता हूँ। हम जहाँ जा रहे हैं पुण्य-सम्राट हमारे आगे-आगे चल रहे है। गुरुदेव ने सम्पूर्ण जीवन समाज के लिए ही जिया और समाज के छोटे-छोटे बालक को भी बेटे की तरह रखा। उन्होंने उनके गुरु के सपने श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् को आगे बढ़ाया। हमें भी गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा रखना चाहिये।

समन्वय एवं एकता के शिल्पी, प्रवचनकार, आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने अपने प्रवचन में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गुणों एवं महिमा को बताते हुए कहा कि गुरुदेव ने अनेक भक्तों को नए प्राण दिए हैं, उन्हें वही जान सकते हैं जो इस मनुष्य शरीर में मनुष्य है। साहित्य-मनीषी गुरुदेव ने साहित्य जगत को विपुल साहित्य प्रदान किया जिसका स्वाध्याय देश-विदेश के कई विद्वद्जनों कर इसे श्रेष्ठ साहित्य बताया है। हम भी उनके द्वारा प्रणीत साहित्य से ज्ञानार्जन कर इस मनुष्य जीवन को सार्थक करें यही गुरु चरणों में हमारी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी।

मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. ने कहा कि आज सम्पूर्ण जैन समाज गुरुदेव की रचनाओं को गा रहा है। गुरुदेव की पुण्यतिथि पर आपने सभी को गुरु भगवन्तों के साथ सेल्फी न लेने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि सेल्फी संस्कृति का मतलब अब आपका फोटो लेने वाले भी आपके पास नहीं है।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने गुरुदेव के बारे में कहा कि उनके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं था, सोते को उठाने वाले तो बहुत मिल जायेंगे लेकिन जगाने वाला नहीं मिलता। गुरुदेव ने लाखों को जगाया और उनका उद्धार किया। जो भी गुरु चरणों में आता है उसका उद्धार हो जाता है।

गुणानुवाद स्मरण सभा में अनेक गणमान्य एवं गुरुभक्तों ने पुण्य-सम्राट का बड़े ही भावुक मन से स्मरण किया।

श्री राजेन्द्रसूरि शोध संस्थान में आचार्यद्वय का पदार्पण

उज्जैन नगर में विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा के प्रशिष्य जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरिजी म. सा. की 100वीं पुण्यतिथि पर शताब्दी वर्ष में स्थापित श्री राजेन्द्रसूरि शताब्दी शोध संस्थान में पुण्य-सम्राट के पट्टधर आचार्यद्वय श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघ शिल्पी श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा., मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि साधु-साध्वी भगवन्तों का पावन पदार्पण हुआ।

शोध संस्थान के मुख्य द्वार पर संस्थान के अध्यक्ष और मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन ने ट्रस्ट मण्डल के साथ उपस्थित रहकर गच्छाधिपति एवं आचार्यदेवेशश्री के सम्मुख गहुँली कर वन्दना की। इस अवसर पर विशाल धर्मसभा का आयोजन हुआ।

प्रवचन से पूर्व श्री राजेन्द्रसूरि शोध संस्थान में पूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के स्वर्ण युक्त चित्रों का अनावरण किया। जिसका लाभ श्री सीतारामजी भँवरलालजी मेहता परिवार, उज्जैन ने लिया। इस प्रसंग पर पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय ने शोध संस्थान को उज्जैन के लिए पुण्य-सम्राट की अनुपम देन बतलाया एवं शोध संस्थान के विकास के लिए भरपूर सहयोग का विश्वास दिलाया।

धर्मसभा में मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. ने शोध की महत्ता बतलाई एवं कहा कि अगर समय पर नहीं जगे तो पश्चिमी संस्कार की हवा में जा रहे लोगों के लिए भारतीय संस्कार शोध का विषय बन जायेगा।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने पुण्य-सम्राट के योगदान का स्मरण किया और कहा कि शोध संस्थान साहित्य जगत के लिए पुण्य-सम्राट गुरुदेव की अनुपम देन है।

धर्मसभा में जैन सोश्यल ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अभयजी सेठिया, संस्थान के निदेशक श्री तेजसिंहजी एवं महिलापरिषद् की राष्ट्रीय महामन्त्री पद्मा सेठ ने भी अपने उद्गार प्रस्तुत किए।

दोपहर में आचार्यद्वय ने शोध संस्थान में ट्रस्टीगणों से चर्चा कर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

सांवेर में हुआ द्वय पट्टधरों का मंगल आगमन

सांवेर (स. सं.),

जैनाचार्य राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का इन्दौर जिले के सांवेर नगर में सांवेर श्रीसंघ ने भव्य मंगल प्रवेश करवाया।

आचार्यद्वय का नगर सीमा पर पदार्पण होते ही गहुँली और सामैया कर अगवानी करते हुए श्रीसंघ ने विशाल संख्या में उपस्थित रहकर शोभायात्रा के रूप में भव्य नगर प्रवेश करवाया। शोभायात्रा सांवेर के मुख्यमार्ग का परिभ्रमण कर धर्मशाला में पहुँची। जहाँ धर्मसभा का आयोजन हुआ।

गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से प्रारम्भ इस धर्मसभा में आचार्यदेवेशश्री ने अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए मानव जीवन की सार्थकता कैसे हो विषय पर सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया।

सम्पूर्ण आयोजन का लाभ सांवेर निवासी श्री चेतनकुमारजी प्रकाशजी जैन ने लिया। आचार्यद्वय विहार कर पारख परिवार की विनती स्वीकार कर इन्दौर-उज्जैन रोड़ पर स्थित पारख परिवार के फार्म हाऊस पधारे, जहाँ पर परिवार एवं गुरुभक्तों ने गुरु भगवन्तों की वन्दना कर आशीर्वचन प्राप्त किया।

गच्छाधिपति को पत्रिका प्रदान करते

फार्म हाऊस पर इन्दौर श्रीसंघ, परिषद् एवं लाभार्थी परिवार ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरों के प्रथम आगमन पर इन्दौर नगर में आयोजित कार्यक्रम की पत्रिका का विमोचन कर आचार्यद्वय को अर्पण की।

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक से आशीर्वाद प्राप्त करते इन्दौर श्रीसंघ

सांगली महाराष्ट्र में धूमधाम से सम्पन्न हुआ प्रतिष्ठा महोत्सव

सांगली, (स. सं.), महाराष्ट्र के सांगली नगर में परमात्मा के भव्य जिनालय में श्रीसंघ सांगली द्वारा आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव विविध धार्मिक अनुष्ठानों सहित परमात्मा की प्रतिष्ठा के साथ ही अविस्मरणीय महोत्सव देश के अनेक श्रीसंघों की उपस्थिति में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

इस महोत्सव में विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा की भी प्रतिष्ठा हुई। इस महोत्सव में सांगली श्रीसंघ एवं अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, शाखा- सांगली (महाराष्ट्र) की भाव भरी विनती को स्वीकार करके परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशभाई धरूँ, राष्ट्रीय शिक्षा मन्त्री श्री भरतभाई वोरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री नवीनभाई बछ्रू, महाराष्ट्र प्रान्त के परिषद् अध्यक्ष श्री मोहनजी ढालावत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दादा गुरुदेव की प्रतिष्ठित प्रतिमा

गुरु मन्दिर के सभी लाभार्थी परिवारों का बहुमान परिषद् राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। स्मरण रहे कि नौ माह पूर्व ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में सांगली शाखा परिषद् की स्थापना हुई थी और उस समय श्री धरूँ ने प्रतिदिन गुरुदेव की आरती करने का मार्गदर्शन प्रदान करते हुए गुरुदेव के चित्र के सामने आरती प्रारम्भ की थी। अल्प समय में गुरु प्रतिमा की प्रतिष्ठा होना सांगली परिषद् के लिए गौरव एवं गर्व की बात है। इस अवसर पर गुरु मन्दिर का नामकरण 'अलौकिक श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, सांगली किया गया। सांगली नगर में एक स्थान पर गुरु मन्दिर का भूमि पूजन सम्पन्न हुआ, जिसमें दादा गुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रतिमा बिराजमान होगी। इस अवसर पर अनेक नगरों के श्रीसंघ, नगर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ हजारों गुरुभक्त उपस्थित थे।

लाभार्थी परिवारों का बहुमान

राष्ट्रीय ध्वजारोहण व पुरस्कार वितरण

उदयपुर, (स. सं.) राष्ट्रीय पर्व गणतन्त्र दिवस समारोह मदर ग्लोरी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय कवि कुलदीप 'प्रियदर्शी' एवं कल्पना जैन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रियदर्शी ने राष्ट्रीय झण्डा फहराते हुए परेड की सलामी ली।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, कविता, गीत एवं देशभक्ति से ओतप्रोत मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की, जिसे देख व सुन कर सभी ने करतल ध्वनि से सराहना करते हुए अभिनन्दन किया।

मुख्य अतिथि प्रियदर्शी एवं कल्पना जैन द्वारा शिक्षा क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सम्मान-पत्र प्रदान किए गए।

समारोह में डायरेक्टर ए. एल कोठारी, संस्थापिका आशालता कोठारी, ट्रस्टी यशवन्त गाँधी, प्रिन्सीपल, स्टाफ के अतिरिक्त अभिभावक उपस्थित रहे। आभार ट्रस्ट के सचिव अजीत कोठारी ने ज्ञापित किया।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

थलवाड़ नगर में मुनिराजश्री की निश्रा में श्रीराजेन्द्रसूरि भवन का भव्य उद्घाटन

थलवाड़, (स. सं.)

प. पू. जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री अमृतरत्न-विजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में थलवाड़ नगर में श्री राजेन्द्रसूरि भवन का भव्य उद्घाटन किया गया।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रसंग पर दोपहर संगीतकारों द्वारा अट्ठारह अभिषेक पूजन किया गया। जिसमें विशाल संख्या में भक्तों ने प्रभु भक्ति की। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पुण्य के उदय से मनुष्य सुकृत करता है और उन अच्छे सुकृतो से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग करते हुए उसे धर्म में या शुभ कार्यों में समर्पित करता है। मनुष्य भव हमें अनेक जन्मों के बाद प्राप्त हुआ है, इसे प्राप्त कर हम देव-गुरु और धर्म की आराधना करते हुए सार्थक करें तो ही यह जन्म सफल माना जायेगा।

श्री राजेन्द्रसूरि भवन के लाभार्थी- शा. वरतीमलजी कपूरचन्दजी बाफना, थलवाड़ निवासी, मुख्य हॉल के लाभार्थी- शा. मूरचन्दजी कपूरचन्दजी बाफना, थलवाड़ निवासी, कक्ष प्रथम के लाभार्थी- शा. जयन्तीलालजी रिखबचन्दजी भण्डारी, थलवाड़ निवासी, कक्ष द्वितीय के लाभार्थी- शा. चन्दनमलजी नगराजजी बाफना, थलवाड़ निवासी, कक्ष तृतीय के लाभार्थी- शा. महेन्द्रकुमारजी कान्तिलालजी बाफना, थलवाड़ निवासी एवं कक्ष चतुर्थ के लाभार्थी- शा. सुमेरमलजी शेलमलजी भण्डारी, थलवाड़ निवासी ने सुकृत से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग करते हुए लाभ लिया।

फोटो स्थापन का लाभ शा. किशोरकुमारजी जीवराजजी बाफना, थलवाड़ निवासी एवं पाट स्थापना का लाभ शा. सुमेरमलजी शेलमलजी भण्डारी, थलवाड़ निवासी ने लिया।

इन्दौर में हुआ आचार्यद्वय का मंगल प्रवेश

इन्दौर, (स. सं.)

जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का राधानगर नीलकण्ठ कॉलोनी स्थित जैन श्वेताम्बर मन्दिर परिसर से भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में पुरुष श्वेत वस्त्र में और महिलाएँ परम्परागत केसरिया परिधान धारण कर सम्मिलित हुई। समाजजनों ने दोनों पट्टधरों की अगवानी की। शोभायात्रा में भक्त बैण्ड की मधुर स्वरलहरियों पर नृत्य कर रहे थे।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट अध्यक्ष शशिकान्त सकलेचा, सचिव नरेन्द्र बोहरा एवं युवा राजेश जैन ने दोनों आचार्यों की अगवानी कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा मुख्य मार्ग से विशाल गुरुभक्तों के साथ जूनी कसेरा बाखल स्थित जैन भवन पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा में आचार्यद्वय ने अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए सम्बोधित किया।

आचार्यद्वय को कामबली ओढ़ाने का लाभ श्री पुष्पककुमारजी राजमलजी जमींदार राजगढ़ वालों ने लिया। स्मरण रहे कि राजमलजी जमींदार के परिवार से दादीश्री महाप्रभाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री डॉ. सुदर्शनाश्रीजी, श्री डॉ. प्रियदर्शनाश्रीजी एवं श्री आत्मदर्शनाश्रीजी संयम पथ अंगीकार कर जिनशासन की अभूतपूर्व धर्म प्रभावना की है।

इस अवसर पर नगर एवं अनेक श्रीसंघों के गणमान्य, परिषद् पदाधिकारी एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, काया में साध्वीश्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा.

उदयपुर, (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यभगवन्तश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पूज्या साध्वी श्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 विहारानुक्रम में उदयपुर नगरी में पदार्पण हुआ।

धर्मेन्द्र पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि साध्वीश्री चौगान मन्दिर दर्शन-वन्दन कर श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार काया पधारी। यहाँ से श्री केशरिया तीर्थ की ओर विहार होगा।

उज्जैन में आचार्यद्वय का मंगल प्रवेश व प्रतिष्ठा की झलकियाँ

योगी-वाणी

चिन्ता पैदा होती है कर्त्ता भाव से, जब आप कर्त्ता भाव छोड़ देते हो, इश्वर को कर्त्ता मान लेते हो।

फिर कैसी चिन्ता ? कैसा तनाव ? कैसा अपमान ? कैसी हानि ? कैसा दुःख ?

समस्या तो यही है कि आप कर्तृत्व छोड़ना ही नहीं चाहते हो।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित